

117/12

2012/00008

न्यायालय उपखण्डाधिकारी सैपऊ

आरोपित अधिकारी - विनोद कुमार आर० ए० एस०
संख्या- 117/2012



1- जगदीश पुत्र शिवचरन जाति राय निवासी टहरी तहसील सैपऊ

--- वादी

बनाम

1- वेकुण्ठी पत्नी मेवाराम (फौत) 2- प्रेमसिंह 3- ज्ञानसिंह पुत्रगण मेवाराम
4- गंगादेई (फौत) 5- रामवेटी (फौत) 6- गुड्डी पुत्रीयान मेवाराम समस्त जातिगण ठाकुर
निवासीगण चौराखेडा तहसील सैपऊ

--- असल प्रतिवादीगण

7- राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार सैपऊ

----- तरतीवी प्रतिवादी

दावा वास्ते स्वत्व घोषणा एवं दुरुस्ती
इन्द्राज एवं स्थाई निषेधाज्ञा अधीन
धारा 88, 188 आरटीएक्ट

उपस्थिति -

1- श्री गिरीस व्यास(वादी)

निर्णय

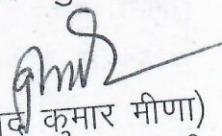
दिनांक: 12.09.2018

संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि यह दावा वादी द्वारा पेश किया गया कि आराजी खसरा नम्बर 1248 रकवा 15 विस्वा वाके ग्राम टहरी का पुरा तहसील सैपऊ में स्थित है प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 6 के पूर्व पुरुष स्व० मेवाराम पुत्र वीधाराम जाति ठाकुर निवासी ग्राम चौराखेडा तहसील सैपऊ थे जिन्होंने विवादित कृषि भूमि कि अधिकार खातेदारी का जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 30.07.1982 को वादी के हक में कर दिया था उसी दिन से मौके पर कब्जा क्रेता का करा दिया था तथा निरन्तर क्रेता काबिज होकर काश्त करता चला आ रहा है और आज भी कर रहा है। वादी कम पढा लिखा कानूनी प्रक्रिया से अनिभिज्ञ मजदूर काश्तकार व्यक्ति है। जिस कारण कृषि भूमि के राजस्व अभिलेख की जानकारी नहीं रही। विक्रय पत्र निस्पादित होने के उपरान्त तत्कालिन पटवारी हल्का को नामा० के लिये दे दिया गया। पटवारी हल्का ने राजस्व अभिलेख में वादी की प्रविष्टि बतौरा खातेदार अंकित किये जाने हेतु आश्वस्त कर दिया था इसलिये वादी आशवासन के कारण आश्वस्त रहा। पटवारी हल्का द्वारा उपरोक्त विक्रय पत्र के आधार पर नामा० की कार्यवही नहीं करने के कारण राजस्व अभिलेख में पूर्व विक्रेता स्व० मेवाराम की प्रविष्टि अंकित रही।

विकेता मेवाराम का दैहान्त स्वभाविक रूप से हो चुका है जिनके वारिसान
वादी संख्या 1 लगायत 06 ने पटवारी से साझा कर चुपचाप गोपनीय तरीके से
के नाम नामा0 विरासत स्वीकार करा लिया और राजस्व अभिलेख में स्वयं की
अंकित करा ली। इस प्रकार नामा. स्वीकार कराया गया जो वादी के विरुद्ध
एण्ड वॉइड है जिसे चैलेन्ज करने का वादी को हक है। साथ ही वादी को
प्रतिवादीगण द्वारा यह धमकी दी गई कि विवादित आराजी उनके नाम होने के कारण
को काश्त करने से बैदखल कर देंगे। अन्त में प्रार्थना की कि विवादित आराजी
संख्या नम्बर 1248 वाके ग्राम टहरी का पुरा तहसील सैफ़ के राजस्व अभिलेख में
वादी को खातेदार काश्तकार घोषित किया जावे तथा राजस्व अभिलेख में गलत
प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 6 को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से प्रतिबंधित किया जावे कि
वादी के विवादित कृषि भूमि में एकान्तिक उपयोग व उपभोग करने में किसी भी प्रकार
की बाधा उत्पन्न नहीं करें और ना ही बैदखल करें।

वाद वादी दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलव
किया गया प्रतिवादी संख्या 2 को दिनांक 27.01.2012 को बाबजूद सूचना को
अनुपस्थित रहने के कारण उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई।
दिनांक 06.03.2014 को रजिस्ट्री लिफाफो पर डाक विभाग द्वारा प्रतिवादी संख्या 1, 4,
5 के लिफाफो पर दैहान्त होना अंकित किया गया। प्रतिवादी संख्या 3 व 6 के
विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। वकील वादी द्वारा दिनांक 13.07.2015
को प्रार्थना पत्र आदेश 22 रूल 04 पेश किया गया जो दिनांक 14.10.2015 को
स्वीकार किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1, 4, 5 के आगे टेंविल पर ही फौत अंकित
किया गया। दिनांक 23.11.2017 एवं 06.12.2017 को कृमशः जगदीश एवं कम्पोटर
पीडब्लू-1, राजेन्द्रप्रसाद पीडब्ल्यू-2 के साक्ष्य एकपक्षीय ब्यान कलमबद्ध किये गये।
बहस एकपक्षीय सुनी गई। वाद एवं पत्रावली में संलग्न प्रदर्श 1 लगायत 4 जमावन्दी
विक्रय पत्र का अवलोकन किया। इससे हम वाद वादी को स्वीकार करना उचित
समझते हैं।

अतः आदेश है कि आराजी खसरा नम्बर 1248 रकवा 15 विश्वा स्थित वाके
ग्राम टहरी का पुरा तहसील सैफ़ में प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 6 का नाम विलोपित
कर इनके स्थान पर जगदीश पुत्रश्री शिवचरन जाति राय निवासी टहरी तहसील सैफ़
को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है तथा प्रतिवादीगण को स्थाई निषेधाज्ञा
से पावन्द किया जाता है कि वादी के कब्जे काश्त में मजाहमत, मदाखलत बेजा नहीं
करें। पर्चा डिक्री जारी की जावे।
निर्णय मेरे द्वारा लिखाया जाकर आज दिनांक 12.09.2018 को खुले न्यायालय
में सुनाया गया।


(विनोद कुमार मीणा)
उपखण्ड अधिकारी
सैफ़

डिगरी व मुकदमे ईवतदाई

आज अदालत - उपखण्ड अधिकारी सैपऊ
इजलास - विनोद कुमार मीणा आर0 ए0 एस0
प्रकरण संख्या- 117/2012

जगदीश पुत्र शिवचरन जाति राय निवासी टहरी तहसील सैपऊ

--- वादी

बनाम

1-बैकुण्ठी पत्नी मेवाराम (फौत) 2-प्रेमसिंह 3-ज्ञानसिंह पुत्रगण मेवाराम
4-गंगादेई (फौत) 5-रामवेटी (फौत) 6-गुड्डी पुत्रीयांन मेवाराम समस्त जातिगण
ठाकुर निवासीगण चौराखेडा तहसील सैपऊ

--- असल प्रतिवादीगण

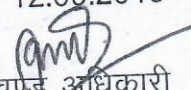
7-राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार सैपऊ

-----तरतीवी प्रतिवादी

दावा वास्ते स्वत्व घोषणा एवं दुरुस्ती
इन्द्राज एवं स्थाई निषेधाज्ञा अधीन
धारा 88, 188 आरटीएक्ट

आज यह मुकदमा इनफिसाल कतई रूबरू मुझ विनोद कुमार मीणा (आर. ए. एस.) व हाजरी मिनजानिव मुद्देई श्री गिरिस व्यास एडवोकेट एवं मिनजानिव मुद्दायलह श्री एडवोकेट पेश होकर हुक्म दिया जाता है कि दावा वादी विरुद्ध प्रतिवादीगण डिकी किया जाता है । अतः आदेश है कि विवादित आराजी खसरा नम्बर 1248 रकवा 15 विश्वा स्थित वाके ग्राम टहरी का पुरा तहसील सैपऊ में प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 6 का नाम विलोपित कर इनके स्थान पर जगदीश पुत्रश्री शिवचरन जाति राय निवासी टहरी तहसील सैपऊ को खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता हैं तथा प्रतिवादीगण को स्थाई निषेधाज्ञा से पावन्द किया जाता है कि वादी के कब्जे काश्त में मजाहमत , मदाखलत बेजा नही करें। पर्चा डिकी जारी की जावे ।

वशब्द मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से आज दिनांक 12.09.2018 को जारी की गई ।


उपखण्ड अधिकारी
सैपऊ